



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग III — खण्ड 4

PART III—Section 4

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 214]

नई दिल्ली, बुधवार, 31, 2007/कार्तिक 9, 1929

No. 214]

NEW DELHI, WEDNESDAY, OCTOBER 31, 2007/KARTIKA 9, 1929

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड

अधिसूचना

मुम्बई, 31 अक्टूबर, 2007

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (पारस्परिक निधि)
(दूसरा संशोधन) विनियम, 2007

सं. 11/एल सी/जी एन/2007/4646.—बोर्ड, भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड अधिनियम, 1992 (1992 का 15) की धारा 30 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए एतद्वारा भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (पारस्परिक निधि) विनियम, 1996 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित विनियम बनाता है, अर्थात् :—

1. इन विनियमों को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (पारस्परिक निधि) (दूसरा संशोधन) विनियम, 2007 कहा जा सकेगा।

2. (1) विनियम 3 के खण्ड (ii), (iii) तथा (v) के उपबंध ऐसी तारीख को प्रवृत्त होंगे जो बोर्ड द्वारा राजपत्र में अधिसूचना द्वारा विनिर्दिष्ट की जाए।

(2) इन विनियमों के अन्य सभी उपबंध राजपत्र में उनके प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

3. भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (पारस्परिक निधि) विनियम, 1996 में,—

(i) विनियम 2 में, खण्ड (डड) के पश्चात् निम्नलिखित खण्ड अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“(डड) ‘सूचकांक निधि स्कीम’ से वह पारस्परिक निधि स्कीम अभिप्रेत है जो उसी अनुपात में प्रतिभूतियों के सूचकांक के रूप में प्रतिभूतियों में विनिधान (निवेश) करती है ;”

(ii) विनियम 44 में, उप-विनियम (4) के लिए, निम्नलिखित उप-विनियम प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“(4) पारस्परिक निधि बोर्ड द्वारा विनिर्दिष्ट मंदिरिया बिक्री (शॉर्ट सैलिंग) तथा प्रतिभूतियों को उधार देने एवं लेने से संबंधित ढाँचे के अनुसार प्रतिभूतियाँ उधार दे और ले सकेगी ।”

(iii). विनियम 45 के लिए, निम्नलिखित विनियम प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“45. वायदा संव्यवहार, व्युत्पन्नी संव्यवहार और मंदिरिया बिक्री संव्यवहार.— (1) स्कीम की निधियों का उपयोग किसी भी प्रकार से वायदा संव्यवहारों में नहीं किया जाएगा :

परंतु यह कि पारस्परिक निधि मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज में व्युत्पन्नी संव्यवहार कर सकेगी, बोर्ड द्वारा विनिर्दिष्ट मंदिरिया बिक्री तथा प्रतिभूतियों को उधार देने एवं लेने से संबंधित ढाँचे के अध्यधीन ।

(2) पारस्परिक निधि मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज में मंदिरिया बिक्री संव्यवहार कर सकेगी, बोर्ड द्वारा विनिर्दिष्ट मंदिरिया बिक्री तथा प्रतिभूतियों को उधार देने एवं लेने से संबंधित ढाँचे के अध्यधीन ।”

(iv) विनियम 52 में,—

क. उप-विनियम (2) के पश्चात् निम्नलिखित परंतु अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“परंतु यह कि सूचकांक निधि स्कीम के मामले में, विनिधान (निवेश) और सलाहकार फीस साप्ताहिक औसत

शुद्ध आस्तियों के एक प्रतिशत के तीन चौथाई (0.75%) से अधिक नहीं होगी।”

ख. उप-विनियम (6) में, दूसरे परंतुक के पश्चात्, निम्नलिखित नया परंतुक अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“परंतु यह और कि सूचकांक निधि स्कीम के मामले में, स्कीम के कुल व्यय जिनके विनिधान (निवेश) और सलाहकार फीस सम्मिलित है साप्ताहिक औसत शुद्ध आस्तियों के डेढ़ प्रतिशत (1.5%) से अधिक नहीं होंगे।”

(v) सातवीं अनुसूची में, खण्ड 6 तथा उसके परंतुक के लिए, निम्नलिखित खण्ड 6 तथा परंतुक प्रतिस्थापित किए जाएंगे, अर्थात् :—

“(6) प्रत्येक पारस्परिक निधि सुपुर्दगियों (डिलीवरियों) के आधार पर प्रतिभूतियों का क्रय तथा विक्रय करेगी और क्रय के सभी मामलों में, सुसंगत प्रतिभूतियों की सुपुर्दगी लेगी और विक्रय के सभी मामलों में, प्रतिभूतियों की सुपुर्दगी देगी :

परंतु यह कि पारस्परिक निधि बोर्ड द्वारा विनिर्दिष्ट मंददिया बिक्री तथा प्रतिभूतियों को उधार देने एवं लेने से संबंधित ढाँचे के अनुसार प्रतिभूतियों की मंददिया बिक्री में लग सकेगी :

परंतु यह और कि पारस्परिक निधि मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज में व्युत्पन्नी संव्यवहार कर सकेगी, बोर्ड द्वारा विनिर्दिष्ट ढाँचे के अध्यधीन।”

एम. दामोदरन, अध्यक्ष

[विज्ञापन III/IV/69-जैडबी/2007/असा.]

गद टिप्पणी :

- (1) भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (पारस्परिक निधि) विनियम, 1996, मूल विनियम, सं. का.आ. 856(अ), 9 दिसम्बर, 1996 को भारत के राजपत्र में प्रकाशित हुए थे।
- (2) भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (पारस्परिक निधि) विनियम, 1996 तत्पश्चात् —
 - (क) 15 अप्रैल, 1997 को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (पारस्परिक निधि) (संशोधन) विनियम, 1997, सं. का.आ. 327(अ), द्वारा
 - (ख) 12 जनवरी, 1998 को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (पारस्परिक निधि) (संशोधन) विनियम, 1998, सं. का.आ. 32(अ), द्वारा
 - (ग) 8 दिसम्बर, 1999 को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (पारस्परिक निधि) (संशोधन) विनियम, 1999, सं. का.आ. 1223(अ), द्वारा
 - (घ) 14 मार्च, 2000 को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (पारस्परिक निधि) (संशोधन) विनियम, 2000, सं. का.आ. 235(अ), द्वारा

- (इ) 28 मार्च, 2000 को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (प्रतिभूति अपीलीय न्यायाधिकरण को अपील) (संशोधन) विनियम, 2000, सं. का.आ. 278 (अ), द्वारा
- (च) 22 मई, 2000 को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (पारस्परिक निधि) (दूसरा संशोधन) विनियम, 2000, सं. का.आ. 484 (अ), द्वारा
- (छ) 23 जनवरी, 2001 को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (पारस्परिक निधि) (संशोधन) विनियम, 2001, सं. का.आ. 69(अ), द्वारा
- (ज) 29 मई, 2001 को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (मध्यवर्तीय द्वारा विनिधान सलाह) (संशोधन) विनियम, 2001, सं. का.आ. 476(अ), द्वारा
- (झ) 23 जुलाई, 2001 को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (पारस्परिक निधि) (दूसरा संशोधन) विनियम, 2001, सं. का.आ. 698(अ), द्वारा
- (ञ) 20 फरवरी, 2002 को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (पारस्परिक निधि) (संशोधन) विनियम, 2002, सं. का.आ. 219(अ), द्वारा
- (ट) 11 जून, 2002 को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (पारस्परिक निधि) (दूसरा संशोधन) विनियम, 2002, सं. का.आ. 625(अ), द्वारा
- (ठ) 30 जुलाई, 2002 को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (पारस्परिक निधि) (तीसरा संशोधन) विनियम, 2002, सं. का.आ. 809(अ), द्वारा
- (ड) 9 सितम्बर, 2002 को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (पारस्परिक निधि) (चौथा संशोधन) विनियम, 2002, सं. का.आ. 956(अ), द्वारा
- (ढ) 27 सितम्बर, 2002 को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (जांच अधिकारी द्वारा जांच करने और शास्ति अधिराजपित करने के लिए प्रक्रिया) विनियम, 2002, सं. का.आ. 1045(अ), द्वारा
- (ण) 29 मई, 2003 को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (पारस्परिक निधि) (संशोधन) विनियम, 2003, सं. का.आ. 632(अ), द्वारा
- (त) 12 जनवरी, 2004 को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (पारस्परिक निधि) (संशोधन) विनियम, 2004, फा. सं. भारतीयवाचिकाविदीप्र/4/2004, द्वारा
- (थ) 10 नवंबर, 2004 को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (उपर्युक्त तथा उचित व्यक्ति के लिए मानदंड) विनियम, 2004, सं. का.आ. 398(अ), द्वारा

- (द) 12 जनवरी, 2006 को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (पारस्परिक निधि) (संशोधन) विनियम, 2006, सं. का.आ. 38(अ), द्वारा
- (ध) 22 मई, 2006 को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (पारस्परिक निधि) (दूसरा संशोधन) विनियम, 2006, सं. का.आ. 783(अ), द्वारा
- (न) 3 अगस्त, 2006 को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (पारस्परिक निधि) (तीसरा संशोधन) विनियम, 2006, सं. का.आ. 1254(अ), द्वारा
- (प) 27 दिसम्बर, 2006 को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (पारस्परिक निधि) (चौथा संशोधन) विनियम, 2006, फा. सं. भाप्रविबो/विकावि/नीप्र/82534/2006, द्वारा
- (फ) 27 दिसम्बर, 2006 को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (पारस्परिक निधि) (पाँचवाँ संशोधन) विनियम, 2006, फा. सं. भाप्रविबो/विकावि/नीप्र/83065/2006, द्वारा
- (ब) 28 मई, 2007 को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (पारस्परिक निधि) (संशोधन) विनियम, 2007, फा. सं. 11/एलसी/जीएन/2007/2518, द्वारा संशोधित हुए थे।

SECURITIES AND EXCHANGE BOARD OF INDIA

NOTIFICATION

Mumbai, the 31st October, 2007

SECURITIES AND EXCHANGE BOARD OF INDIA (MUTUAL FUNDS) (SECOND AMENDMENT) REGULATIONS, 2007

No. 11/LC/GN/2007/4646.—In exercise of the powers conferred by Section 30 of the Securities and Exchange Board of India Act, 1992 (15 of 1992), the Board hereby makes the following Regulations to further amend the Securities and Exchange Board of India (Mutual Funds) Regulations, 1996, namely :—

1. These regulations may be called the Securities and Exchange Board of India (Mutual Funds) (Second Amendment) Regulations, 2007.

2. (1) The provisions of clauses (ii), (iii) and (v) of regulation 3 shall come into force on such date as may be specified by the Board by notification in the Official Gazette. (2) All other provisions of these regulations shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

3. In the Securities and Exchange Board of India (Mutual Funds) Regulations, 1996,—

- (i) in regulation 2, after clause (mm), the following clause shall be inserted, namely :—

“(Inn) ‘index fund scheme’ means a mutual fund scheme that invests in securities in the same proportion as an index of securities;”

- (ii) in regulation 44, for sub-regulation (4), the following sub-regulation shall be substituted, namely :—

“(4) A mutual fund may lend and borrow securities in accordance with the framework relating to short selling and securities lending and borrowing specified by the Board.”

- (iii) for regulation 45, the following regulation shall be substituted, namely :—

“45. Carry forward transactions, derivatives transactions and short selling transactions.—

(1) The funds of a scheme shall not in any manner be used in carry forward transactions : Provided that a mutual fund may enter into derivatives transactions on a recognized stock exchange, subject to the framework specified by the Board. (2) A mutual fund may enter into short selling transactions on a recognized stock exchange, subject to the framework relating to short selling and securities lending and borrowing specified by the Board.”

- (iv) in regulation 52,—

a. after sub regulation (2), the following proviso shall be inserted, namely :—

“Provided that in case of an index fund scheme, the investment and advisory fees shall not exceed three fourths of one per cent (0.75%) of the weekly average net assets.”

b. in sub-regulation (6), after the second proviso, the following new proviso shall be inserted, namely :—

“Provided further that in case of an index fund scheme, the total expenses of the scheme including the investment and advisory fees shall not exceed one and one half per cent (1.5%) of the weekly average net assets.”

- (v) in the Seventh Schedule, for clause 6 and the proviso thereto, the following clause and provisos shall be substituted, namely :—

“6. Every mutual fund shall buy and sell securities on the basis of deliveries and shall in all cases of purchases, take delivery of relevant securities and in all cases of sale, deliver the securities :

Provided that a mutual fund may engage in short selling of securities in accordance with the framework relating to short selling and securities lending and borrowing specified by the Board: Provided further that a mutual fund may enter into derivatives transactions in a recognized stock exchange, subject to the framework specified by the Board.”

M. DAMODARAN, Chairman
[ADVT III/IV/69-ZB/2007/Exty.]

Footnotes:

- (1) The Securities and Exchange Board of India (Mutual Funds) Regulations, 1996, the Principal Regulations were published in the Gazette of India on December 9, 1996 vide No. S.O. 856(E).
- (2) The Securities and Exchange Board of India (Mutual Funds) Regulations, 1996 were subsequently amended :—
- (a) On April 15, 1997 by the Securities and Exchange Board of India (Mutual Funds) (Amendment) Regulations, 1997 vide No. S.O. 327(E).
 - (b) On January 12, 1998 by the Securities and Exchange Board of India (Mutual Funds) (Amendment) Regulations, 1998 vide No. S.O. 32(E).
 - (c) On December 08, 1999 by the Securities and Exchange Board of India (Mutual Funds) (Amendment) Regulations, 1999 vide No. S.O.1223(E).
 - (d) On March 14, 2000 by the Securities and Exchange Board of India (Mutual Funds) (Amendment) Regulations, 2000 vide No. S.O. 235(E).
 - (e) On March 28, 2000 by the Securities and Exchange Board of India (Appeal to the Securities Appellate Tribunal, (Amendment) Regulations, 2000 vide No. S.O. 278(E).
 - (f) On May 22, 2000 by the Securities and Exchange Board of India (Mutual Funds) (Second Amendment) Regulations, 2000 vide No. S.O. 484(E).
 - (g) On January 23, 2001 by the Securities and Exchange Board of India (Mutual Funds) (Amendment) Regulations, 2001 vide No. S.O. 69(E).
 - (h) On May 29, 2001 by the Securities and Exchange Board of India (Investment Advice by Inter-medaries) (Amendment) Regulations, 2001 vide No. S.O. 476(E).
 - (i) On July 23, 2001 by the Securities and Exchange Board of India (Mutual Funds) (Second Amendment) Regulations, 2001 vide No. S.O. 698(E).
 - (j) On February 20, 2002 by the Securities and Exchange Board of India (Mutual Funds) (Amendment) Regulations, 2002 vide No. S.O. 219(E).
 - (k) On June 11, 2002 by the Securities and Exchange Board of India (Mutual Funds) (Second Amendment) Regulations, 2002 vide No. S.O. 625(E).
 - (l) On July 30, 2002 by the Securities and Exchange Board of India (Mutual Funds) (Third Amendment) Regulations, 2002 vide No. S.O. 809(E).
 - (m) On September 9, 2002 by the Securities and Exchange Board of India (Mutual Funds) (Fourth Amendment) Regulations, 2002 vide No. S.O. 956(E).
 - (n) On September 27, 2002 by the Securities and Exchange Board of India (Procedure for Holding Enquiry by Enquiry Officer and Imposing Penalty) Regulations, 2002 vide No. S.O. 1045(E).
 - (o) On May 29, 2003 by the Securities and Exchange Board of India (Mutual Funds) (Amendment) Regulations, 2003 vide No. S.O. 632(E).
 - (p) On January 12, 2004 by the Securities and Exchange Board of India (Mutual Funds) (Amendment) Regulations, 2004 vide F. No. SEBI/LAD/DOP/4/2004.
 - (q) On March 10, 2004 by the Securities and Exchange Board of India (Criteria for Fit and Proper Person) Regulations, 2004 vide No. S.O. 398(E).
 - (r) On January 12, 2006 by the Securities and Exchange Board of India (Mutual Funds) (Amendment) Regulations, 2006 vide No. S.O. 38(E).
 - (s) On May 22, 2006 by the Securities and Exchange Board of India (Mutual Funds) (Second Amendment) Regulations, 2006 vide No. S.O. 783(E).
 - (t) On August 3, 2006 by the Securities and Exchange Board of India (Mutual Funds) (Third Amendment) Regulations, 2006 vide No. S.O. 1254(E).
 - (u) On December 27, 2006 by the Securities and Exchange Board of India (Mutual Funds) (Fourth Amendment) Regulations, 2006 vide F. No. SEBI/LAD/DOP/82534/2006.
 - (v) On December 27, 2006 by the Securities and Exchange Board of India (Mutual Funds) (Fifth Amendment) Regulations, 2006 vide F. No. SEBI/LAD/DOP/83065/2006.
 - (w) On May 28, 2007 by the Securities and Exchange Board of India (Mutual Funds) (Amendment) Regulations, 2007 vide F. No. 11/LC/GN/2007/2518.